किराये के बिलों के आधार पर मासिक बिल बनाये जाते हैं तथा वेतन वृद्धि अथवा अन्य कारणों के कारण, समायोजन, वर्ष में एक बार किया जाता है—राजपत्रित अधिकारियों के मामले में सितम्बर में तथा अराजपत्रित अधिकारियों के मामले में मार्च में ।

(ख) और (ग). जी नहीं । जहां आवश्यक समझा जाता है वहां बकाया वसूली को उचित प्रकार से इस प्रकार फैला दिया जाता है जिससे कि कोई अनुचित वित्तीय कठिनाई न हो ।

यह भी निर्णय ले लिया गया है कि जिन कर्मचारियों का मासिक वेतन 500 रुपये तथा उससे कम है उनसे बकाया मुजरा 10 रुपये प्रति माह से अधिक न लिया जाये ।

(घ) उपर्युक्त उल्लिखित कारणों के कारण वर्तमान व्यवस्था को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

विभिन्न टाइप के क्वार्टरों को लेने का अधिकारी होने के लिए नगर प्रतिकर भत्ते को शामिल किया जाना

5562. **श्री महाराज सिंह भारती :**
श्री मोलहू प्रसाद :
श्री जे० एच० पटेल :
श्री राम सेवक यादव :

क्या निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जिन कर्मचारियों को सरकारी क्वार्टर मिले हैं उनके पारिश्रमिक में से किराये के रूप में वेतन तथा नगर प्रतिकर भत्ते का दस प्रतिशत काटा जाता है जब कि किसको किस टाइप का क्वार्टर मिले इसका निर्धारण करते समय नगर प्रतिकर भत्ते को वेतन में नहीं जोड़ा जाता;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार भविष्य में इसका निर्धारण करने के लिये नगर प्रतिकर भत्ता भी शामिल करने का है कि किस को किस टाइप का क्वार्टर दिया जाये ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री इकबाल सिंह) : (क) जी हां, उन कर्मचारियों के मामले में जो कि 150 रु० प्रति माह से कम परिलब्धियां लेते हैं, किराया केवल परिलब्धियों के 7½ प्रतिशत की दर से वसूल किया जाता है ।

(ख) परिलब्धियों में नगर प्रतिकर भत्ता तथा अन्य भत्ते शुमार किये जाते हैं । द्वितीय वेतन आयोग ने इस मामले पर भी विचार किया था तथा उन्होंने यह अनुभव किया कि किराया वेतन के साथ नगर प्रतिकर भत्ते के आधार पर निर्धारित किया जाता रहे ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) भारत में प्रत्येक स्थान पर नगर प्रतिकर भत्ता देय नहीं हैं । अन्य स्थानों पर इसमें घटबढ़ होती रहती है । प्रशासनिक तौर पर विभिन्न नगरों में विभिन्न श्रेणियां होना वांछनीय नहीं होगा ।

रिहन्द बांध जलाशय

5563. **श्री वंश नारायण सिंह :**
श्री निहाल सिंह :

श्री केदार पत्थान :
श्री सत्य नारायण सिंह :

क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि उत्तर प्रदेश में रिहन्द बांध जलाशय में पानी सूखता जा रहा है जिसके कारण बिजली उत्पादन कम हो जाने की आशंका है; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस स्थिति को सुधारने के लिए कोई योजना बना रही है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्री (डा० कु० ल० राव): (क) जी, हां। गत वर्ष शिथिल मानसून के परिणामस्वरूप रिहन्द जलाशय का जल स्तर कम हो गया है। इससे रिहन्द बिजली प्रणाली में विद्युत उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ा है।

(ख) सहवर्ती दामोदर घाटी निगम प्रणाली से काफी सहायता दिलाई जा चुकी है। यह प्रणाली रिहन्द प्रणाली को दिसम्बर 1966 के प्रथम सप्ताह से औसतन लगभग 15 लाख यूनिट बिजली दे रही है। वर्तमान लघु ताप-बिजली घरों में अधिकतर बिजली उत्पन्न करने और आवरा तथा पंकी पर नए ताप संस्थानों के शीघ्र प्रचालन के लिए भी प्रयत्न किए जा रहे है।

गैर-सरकारी क्षेत्र में छोटे पैमाने पर बिजली तैयार करने की योजनायें

5564. श्री भारत सिंह चौहान :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री स्वतंत्र सिंह कोठारी :
श्री ओंकार गोयल :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गैर-सरकारी उद्यमियों को छोटे पैमाने पर बिजली तैयार करने की योजनायें आरम्भ करने की अनुमति देने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

रूस के सहयोग से मद्रास में औषधियां बनाने का कारखाना

5565. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री निहाल सिंह :

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्री 1 जन, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1125 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मद्रास में कैंसर, जठर आंत्रशोथ और आंख के रोगों के उपचार के लिए दवाइयां बनाने का एक कारखाना स्थापित करने के बारे में रूस से इस बीच कोई निश्चित प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यह कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीमति चन्द्र शेखर) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग). ये प्रश्न नहीं उठते।